

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1351
03 दिसंबर, 2024 को उत्तरार्थ

विषय : कृषि-तकनीक क्षेत्र को लाभ प्रदान करना

#1351. श्री डॉ अमर सिंह :

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार कृषि-तकनीक क्षेत्र में हो रही तीव्र वृद्धि के उचित लाभ संपूर्ण देश के किसानों को मिलना सुनिश्चित करने के लिए कोई नीतिगत कदम और कोई पहल कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या कृषि क्षेत्र में हाइपरस्पेक्ट्रल डेटा विश्लेषण, फोटो-एनालिटिक्स और भूस्थिर उपग्रहों के माध्यम से सटीक मौसम मापदंडों की पुनर्प्राप्ति जैसे विशिष्ट विषयों का उदय हो रहा है; और (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री भागीरथ चौधरी)

(क) जी हां, सरकार, खाद्य पद्धतियों के परिवर्तन और छोटे खेतों की दक्षता और लाभप्रदता बढ़ाने में एग्री-टेक इंडस्ट्री की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करती है। इसके अतिरिक्त, कृषि में प्रौद्योगिकी प्रगति को बढ़ावा देने, चुनौतियों का समाधान करने और सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में एग्री-टेक की भूमिका को मान्यता देने के लिए विभिन्न पहल और नीतियां शुरू की गई हैं। सरकार ने डिजिटल कृषि मिशन को मंजूरी दी है, जिसमें एग्रीस्टैक, कृषि डिसिज़न सपोर्ट सिस्टम, व्यापक मृदा उर्वरता और प्रोफाइल मानचित्र और अन्य आईटी पहलों जैसे कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की परिकल्पना की गई है। एग्रीस्टैक परियोजना, इस मिशन के प्रमुख घटकों में से एक है, जिसमें कृषि क्षेत्र में तीन मूलभूत रजिस्ट्रियां या डेटाबेस जैसे- किसानों की रजिस्ट्री, जिओ-रेफरेंसड विलिज मैप्स और बोई गई फसल रजिस्ट्री शामिल हैं। इस पद्धति का उद्देश्य अंतर संचालनियता और प्रयासों के अभिसरण को बढ़ाना तथा उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके कृषि क्षेत्र में अनुप्रयोगों के विकास को बढ़ावा देना है।

इसके अतिरिक्त, "नवाचार और कृषि-उद्यमिता विकास" नामक एक घटक, वित्तीय सहायता प्रदान करने तथा इनक्यूबेशन ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने के माध्यम से, नवाचार और कृषि-उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, वर्ष 2018-19 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई-रफ़्तार) के तहत शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत, स्टार्ट-अप को कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए नवीन तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए विभाग द्वारा नियुक्त नॉलेज पार्टनर्स एवं एग्री बिजनेस इनक्यूबेटर्स के माध्यम से, वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 1176 स्टार्ट-अप्स का चयन किया गया है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), वर्ष 2016-2017 में शुरू की गई राष्ट्रीय कृषि नवाचार कोष (एनएआईएफ) नामक परियोजना के तहत, कृषि आधारित स्टार्ट-अप में सहायता प्रदान कर रही है। इसके दो घटक हैं: (I) नवाचार कोष; (II) इनक्यूबेशन फंड और राष्ट्रीय समन्वय इकाई (एनसीयू) :

- I. घटक I: 99 आईसीएआर संस्थानों में स्थापित 10 क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी प्रबंधन यूनिट्स और 89 संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन यूनिट्स (आईटीएमयू) इन संस्थानों में नवाचारों का प्रबंधन, बौद्धिक संपत्तियों का प्रदर्शन, तथा बौद्धिक संपदा (आईपी) प्रबंधन और प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण/व्यावसायीकरण से संबंधित मामलों को आगे बढ़ाने के लिए सिंगल विंडो तंत्र प्रदान करती हैं।
- II. घटक II: हितधारकों तक नई प्रौद्योगिकियों की पहुँच में तेजी लाने के लिए कृषि-व्यवसाय इनक्यूबेटर केंद्र (एबीआईसी) स्थापित किए गए हैं। एबीआईसी, मान्य प्रौद्योगिकियों के इनक्यूबेशन/व्यावसायीकरण हेतु कृषि अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) संस्थानों के लिए वांछित लिंक प्रदान करने के लिए नोडल पॉइंट है। अब तक, 50 कृषि -व्यवसाय इनक्यूबेशन केंद्र स्थापित किए गए हैं और एनएआईएफ योजना के तहत आईसीएआर नेटवर्क में सभी सक्रिय हैं।

(ख) एवं (ग) : जी हां, कृषि क्षेत्र में विभिन्न प्रौद्योगिकियों का उदय हो रहा है जैसे हाइपरस्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग, फोटो-एनालिटिक्स, जिओ-स्टेशनेरी सेटेलाइट्स तथा एआई/एमएल आधारित एनालिटिक्स आदि के माध्यम से सटीक मौसम मापदंडों की पुनर्प्राप्ति। इस दिशा में विभाग ने देश में मौसम संबंधी आंकड़ों के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और सिंगल डिजिटल प्लेटफॉर्म से अच्छी गुणवत्ता वाले मौसम डेटासेट प्रदान करने के लिए, स्टार्ट-अप उद्योग और मौसम सूचना और नेटवर्क डेटा सिस्टम (विंड्स) के सहयोग से पायलट आधार पर फसल की पहचान, फसल स्वास्थ्य की निगरानी, मृदा जैविक कार्बन के आकलन के लिए कृषि अनुप्रयोगों में हाइपरस्पेक्ट्रल डेटा का उपयोग जैसी विभिन्न पहलों की शुरुआत की है।
